CASE STUDY

अपना स्वास्थ्य, अपनी पहल

कटियोर पंचायत
तलवाडा ब्लॉक
बांसवाडा जिला

2017/No. 02

उपसरपंच ने सुधारा अपने पंचायत में मातृ शिशु स्वास्थ्य

Knowledge. Voice. Democracy.
PRIA

प्रिया के साथ मिलकर किये गये कार्यों को अपनी जुबानी बताते उपसरपंच पंकज कुमार

Azim Premji Philanthropic Initiatives

dasra

प्रिया के द्वारा बांसवाडा जिले के तलवाडा और बांसवाडा ब्लॉक की सभी पंचायतो में मातृ–शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के द्वारा महिलाओ और बच्चों के स्वास्थ्य को पंचायतो समुदाय ,और सरकारी कर्मचारियों की मदद से सुधारने की कोशिश की जा रही है। यह भी प्रयास किया जा रहा है की पंचायतो के कार्य में ग्रामीण लोगों की रूचि बढे, महिला सभा, ग्राम सभा तथा पंचायत बैठकों के प्रति लोगों का रुझान बढे व ग्रामीण स्वास्थ्य ,स्वच्छता , पेयजल एवं पोषण समिति के बारे में लोग जाने, और ग्राम पंचायत इस समिति में अपनी भूमिका का निर्वाह करे। सामाजिक न्याय समिति को सक्रिय रूप देने की भी कोशिश की जा रही है।

जिन पंचायतो और वहां के समुदाय के साथ प्रिया के हस्तक्षेप है, उन्ही में से एक कटियोर ग्राम पंचायत है। बांसवाडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत कटियोर बहुत ही छोटी पंचायत है। इस पंचायत की आबादी लगभग 1700 है। इस पंचायत में 8 वार्ड है । इसमे सबसे बड़े वार्ड की जनसंख्या लगभग 600 है। सबसे छोटे वार्ड की जनसंख्या लगभग मात्र 20 है। गाँव में एक आंगनबाड़ी केंद्र और एक उपस्वास्थ्य केंद्र है। यह ग्राम पंचायत बांसवाडा ब्लॉक के कार्यालय से लगभग 16 किलो मिटर की दुरी पर है। यहाँ अनुसूचित जनजाति के लोगो ने प्रिया के साथ मिलकर किये गये कार्यों को अपनी जुबानी बताते उपसरपंच पंकज कुमार की संख्या अधिक है। जिनमे निनामा उप जाति के लोग ज्यादा है । यहाँ के अधिकतर लोगो का व्यवसाय कृषि और मजदूरी है। इस पंचायत में 12वी कक्षा तक विद्यायल है व इसके आगे की शिक्षा के लिए यहाँ के युवा बांसवाडा शहर में जाते है।

प्रिया ने कटियोर में पंचायत बैठकों, ग्राम सभा VHSWNC आदि के माध्यम से महिला–शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में पंचायत, उपस्वास्थ्य केंद,आंगनबाड़ी केंद्र की भूमिकाओं के बारे में जागरूक किया और पंचायत सदस्यों का प्रशिक्षण किया। प्रिया ने बताया की पंचायत प्रतिनिधियों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्रों.,उपस्वास्थ्य केन्द्रों.का समय समय पर निरिक्षण करना चाहिए। और साथ ही इनकी मुलभूत आवश्यकताओं का भी ध्यान रखना चाहिए व पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा नियमित रूप से केन्द्रों की सुविधाओं का जायजा लेना चाहिए । उन्हें इन केन्द्रों में आवश्यक कमियों को दूर करने का प्रयास करना चहिए। यह जानने का प्रयास भी करना चाहिए कि क्या समुदाय के लोग इन सभी सुविधाओ का लाभ ले रहे है या नही? यदि कोइ लाभ नही ले रहे तो उनको इन सुविधाओं के बारे में बताना चाहिए। पंचायत को अपने गाँव की कुरीतियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

कटियोर पंचायत के उपसरपंच पंकज कुमार निनामा है। जिनके कार्यकाल को 3 वर्ष पुरे हो चुके है व इनकी उम्र 29 वर्ष है । इन्होने 12 वी कक्षा तक पढाई की है। इनका पुश्तैनी व्यवसाय कृषि है। पंकज कुमार निनाम से जब पहली बार प्रिया की मुलाकात हुई थी। तो उस मुलाकात से पता चला की इनको.अपने गाँव की स्वाथ्य अवश्यकाताओं और गाँव के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी नहीं थी। उन्हें यह भी नहीं पता था कि VHSWNC क्या है और उसके क्या काम है? टीकाकरण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने उम्मीद किया कि सभी महिलाए टीकाकरण करवा रही होंगी लेकिन उन्हें वास्तविक स्थिति पता नही थी।

फिर जब प्रिया की एनिमेटर निहारिका चौबीसा ने इन्हें बताया की उपसरपंच खुद कटियोर VHSWNC के सदस्य है, तो पंकज निनामा को हर्श मिश्रित आष्चर्य हुआ , निहारिका ने उन्हें ये भी बताया की इस समिति की बैठक प्रत्येक माह टीकाकरण दिवस के दिन बैठक होती है। इस समिति में गाँव से जुड़े स्वास्थ्य ,स्वच्छता ,पेयजल एवं पोषण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर सभी सदस्यों की सहमती से आवश्यक निर्णय लिया जाता है। उनकी बातों से पता चला की वह पहले कभी उपसरपंच बनाने के बाद भी टीकाकरण दिवस पर नही गए थे और नही आंगनबाड़ी केंद्र पर गए थे।

पंकज कुमार को जब अपनी संभावी भूमिकाओं का पता चला तो उनमे और जानकारियाँ हासिल करने की इच्छा बढ़ी। प्रिया के साथियों के सहयोग से उपसरपंच को पंचायतों की भूमिका , कार्य और जिम्मेदारियों की जानकारी दी गयी। पंकज कुमार को प्रिया की ट्रेनिंग में प्रशिक्षण भी दिया गया । उनको प्रभावी सरपंचों और स्वयंसेवकों के उदहारण बताये गए व इस तरह के हस्तक्षेपो ने इस युवा उपसरपंच में जानकारी और जोष भर दिया। पंकज कुमार ने VHSWNC की बैठकों में गाँव के स्वास्थ्य संबधी समस्याओं के निराकरण का प्रस्ताव और निर्णय सुनिश्ति किया। अन्य पंचायत सदस्यों के साथ ग्राम पंचायत की बैठकों और गाँव के विभिन्न केन्द्रों के निरिक्षण के माध्यम से समुदाय , पंचायत और सरकारी कर्मचारियों में मातृ–षिषु स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाई।

वर्तमान स्थिति यह है की आज पंकज कुमार निनामा पंचायत बैठको ,ग्राम.सभा VHSWNC की बैठकों में नियमित रूप से जाते है। गाँव की गर्भवती व धात्री महिलाओं को टीकाकरण के लिए खुद भी बुलाने या सुचना देने जाते है। इससे गाँव की सभी गर्भवती व धात्री महिलाओ का टीकाकरण भी समय पर हो रहा है।.समय समय पर आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा भी करते है। जिससे आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों के लिए बनाने वाला पोषाहार भी समय पर बनता है और बच्चों को साफ–सुथरे तरीके से खिलाया जाता है । आंगनबाड़ी केंद्र पर साफ–सफाई होने लगी है।

पंकज कुमार निनामा ने अपने गाँव में वार्ड पंचों की मदद से बाल विवाह को भी रोकने का प्रयास किया है। जिनमे वो सफल हुए है। जब उपसरपंच से पूछा गया की आपने यह सभी कार्य पहले क्यों नही किए? तो उनका जवाब था की " मुझे यह पता नही था की यह भी पंचायत प्रतिनिधियों की जम्मेदारी होती है। प्रिया के द्वारा बताने पर एवं उनसे मिलने पर पता चला की यह भी हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन ये अच्छे काम करने पर मुझे बहुत खुशी मिली है। पहले लोगो ने मेरा विरोध भी किया था । लोग कहते थे कि मैंने ये नही किया या वो सही नही किया। लेकिन आज लोग मेरे काम से बहुत खुष है। और मेरा सहयोग भी करते है। " उपसरपंच को संवेदनशील और प्रशिक्षित करके प्रिया ने इस ग्राम पंचायत में पंचायत राज व्यवस्था को भी सक्रीय कर दिया है। आजकल ग्राम पंचायत के सदस्य मातृ–शिशु स्वास्थ्य पर विषेश ध्यान तो देते ही है । लेकिन पंचायत के और कार्य भी सुचारू रूप से चलने लगे है। लोगों में अपनी पंचायत के प्रति सम्मान बढ़ा है और पंचायत का लोगों के लिए अच्छे काम करने की अच्छी शुरुआत हो गयी है ।

This case study was written by Seema Sharma, Assistant Program Officer for PRIA's "Reforming Local Governance For Responsive And Effective Service Deliveries In Selected Blocks Of Rajasthan" Project, in Partnership with Azim Premji Philanthropic Initiatives (APPI) and Dasra.